सीखने के प्रतिफल की आकलन पुस्तिका

हिंदी

कक्षा 7

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
SECTOR-32 UT CHANDIGARH

पाठ - 1

हम पंछी उन्मुक्त गगन के

शिक्षण के लक्ष्य:

- कविता को सुनने और समझने के बाद छात्र उसमें बताए गए भाव व संदेश को समझ पाएँगे|
- बंधन में रहना किसी को पसंद नहीं होता|
- कक्षा में चर्चा की जाएगी कि क्यों आज़ादी की हवा में सांस लेने को व्याकुल पंछी सब सुख सुविधा छोड़ने को तैयार है|
- इस प्रकार न केवल वाचन होगा अपितु पंछी की व्यथा के माध्यम से छात्रों में करुणा के भाव जागृत होंगे|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- छात्रों द्वारा कविता का क्रमानुसार उचित लय और ताल का ध्यान रखते हुए शुद्ध उच्चारण द्वारा पठन करते हुए अर्थ ग्रहण किया जाएगा|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- कविता के माध्यम से कवि ने छात्रों के मन में असहाय प्राणियों के प्रति संवेदना के भाव जागृत करने का प्रयास किया है|
- पाठ के अंत में पाठ संबंधी अपनी भावनाओं को लिखकर व्यक्त करने में सक्षम होंगे|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में कविता में प्रयुक्त विभिन्न नए शब्दों में से किन्ही 8 से 10 शब्दों का अर्थ व वाक्य प्रयोग समझाते हुए शब्द भंडार में वृद्धि की जाएगी| जैसे - पंछी, उन्मुक्त, पिंजर, कनक, पुलकित आदि|
- कविता से प्राप्त शिक्षा का वर्णन करते हुए छात्रों द्वारा कविता सुनाई जाएगी|
- कठिन शब्दों का श्रुतलेख दिया जाएगा|
- संक्षिप्त प्रश्नों के माध्यम से कविता का मूल्यांकन किया जाएगा| जैसे - 1. सब सुख सुविधा पाने के बाद पंछी प्रसन्न क्यों नहीं है? 2. पक्षियों को पालना उचित है या नहीं? 3. असहाय व बेजुबान पशु-पक्षियों के प्रति छात्रों के मन में करुणा, दया व प्रेम का भाव जागृत करना? 4. पालतू या जंगली जानवरों के प्रति किसी भी प्रकार की हिंसा को बढ़ावा ना देना| 5. अपने भोजन का कुछ अंश पशु-पक्षियों के प्रति समर्पित करने का भाव जागृत करना|

सीखने के प्रतिफल:

- विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं अपने पालतू पशु या पक्षी के साथ अपने संबंध पर चर्चा कर पाएंगे|

नीचे गौरेया चिड़िया से संबंधित जानकारी दी गई है, इसे ध्यान से पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

गौरैया की कहानी

(विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च) पर विशेष

बचपन की सबसे सुखद स्मृतियों में गौरैया जरूर आती है क्योंकि सबसे पहले बच्चा इसी चिड़िया को पहचानना सीखता था। पड़ोस के लगभग हर घर में उनका घोंसला होता था। आंगन में या छत की मुंडेर पर वे दाना चुगती थीं। बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर ये झुंड के झुंड फुदकती रहती थीं। प्राचीन काल से ही हमारे उल्लास, स्वतंत्रता, परंपरा और संस्कृति की संवाहक वही गौरैया अब संकट में है। संख्या में लगातार गिरावट से उसके विलुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। इसको बचाने के लिए दिल्ली सरकार ने पिछले साल इसे राजकीय पक्षी घोषित किया है :

सहचरी

- घरों में धार्मिक कार्यक्रम और समारोहों में दीवारों पर चित्रकारी करने में फूल-पत्ती, पेड़ के साथ गौरैया चिड़िया के चित्र उकेरे जाते हैं
- कई आदिवासियों की लोक कथाओं में गौरैया चिड़िया का वर्णन मिलता है। महाराष्ट्र की वर्ली (इस आदिवासी जाति की उत्पत्ति 3000-2500 ईसा पूर्व में मानी जाती है) एवं उड़ीसा की सौरा आदिवासी (रामायण और महाभारत में इसका उल्लेख सावरा के नाम से मिलता है) की लोक कलाओं में गौरैया चिड़िया के चित्र बनाने की परंपरा मिलती है
- उत्तर भारत की संस्कृति में यह चिड़िया इस तरह रची बसी है कि प्रसिद्ध लेखिका महादेवी वर्मा ने कहानी गौरैया में कामना की है कि हमारे शहरी जीवन को समृद्ध करने के लिए गौरैया चिड़िया फिर लौटेगी

संकट

- बगीचों से लेकर खेतों तक हर जगह इनकी संख्या में गिरावट को देखते हुए इनको पक्षियों की संकटग्रस्त प्रजाति की रेड सूची में शामिल किया गया है
- आधुनिक घरों का निर्माण इस तरह किया जा रहा है कि उनमें पुराने घरों की तरह छज्जों, टाइलों और कोनों के लिए जगह ही नहीं है। जबकि यही स्थान गौरैयों के घोंसलों के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं
- शहरीकरण के नए दौर में घरों में बगीचों के लिए स्थान नहीं है
- पेट्रोल के दहन से निकलने वाला मेथिल नाइट्रेट छोटे कीटों के लिए विनाशकारी होता है, जबकि वही कीट चूजों के खाद्य पदार्थ होते हैं
- मोबाइल फोन टावरों से निकलने वाली तरंगों में इतनी क्षमता होती है, जो इनके अंडों को नष्ट कर सकती है

चिड़िया एक नाम अनेक

अलग-अलग बोलियों, भाषाओं, क्षेत्रों में गौरैया को विभिन्न नामों से जाना जाता है।

वैज्ञानिक नाम-पेसर डोमिस्टिकस

उर्दू: चिरया • सिंधी: झिरकी • पंजाब: चिरी • जम्मू और कश्मीर: चेर • पश्चिम बंगाल: चराई पाखी • उड़ीसा: घराछतिया • गुजरात: चकली • महाराष्ट्र: चिमनी • तेलुगु: पिच्छुका • कन्नड़: गुब्बाच्ची • तमिलनाडु और केरल: कुरूवी

बचाव के उपाय

- घर की छत या टेरेस पर अनाज के दानों को डालें
- यदि घर में स्थान है, तो बागवानी करें
- साफ जल रखें
- घोंसले के स्थान पर पात्र में कुछ खाद्य पदार्थ रखें
- स्वस्थ पर्यावरण में रहें जिससे चिड़िया भी रह सकें
- घर में कीटनाशक का छिड़काव न करें

प्र०1: प्राचीन काल से गौरेया चिड़िया मनुष्य की किस चीज का संवाहक नहीं रही है?

क. परंपरा और संस्कृति की

ख. उल्लास की

ग. त्योहारों की

घ. स्वतंत्रता की

प्र०2: गौरेया चिड़िया अपना घोंसला कहाँ-कहाँ बनाती है?

क. बगीचे में पेड़ पर

ख. घर की मुँडेर पर

ग. छत के कोनों पर

घ. मोबाईल फोन के टावरों पर

प्र०3: गौरेया चिड़िया के विलुप्त होने के निम्न में से कौन-सा कारण नहीं हैं?

क. आधुनिक घरों में छज्जों व कोनों का ना होना|

ख. कीटनाशक के छिड़काव की वजह से|

ग. गौरेया चिड़िया के शिकार के वजह से|

घ. मोबाईल फोन टावरों से निकालने वाली हानिकारक तरंगों से|

प्र०4: गौरेया चिड़िया पर निम्न में से किस कहानीकार ने कहानी लिखी है?

क. रामधारी दिनकर

ख. महादेवी वर्मा

ग. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०5: कन्नड भाषा में गौरेया चिड़िया का क्या नाम है?

क. झिरकी

ख. चराई पाखी

ग. गुबाच्ची

घ. कुरुवी

प्र०6: लोक-कलाओं में गौरेया चिड़िया के चित्र बनाने की कला किस राज्य में मिलती है?

क. उतराखंड

ख. हिमाचल प्रदेश

ग. उड़ीसा

घ. गुजरात

सीखने का प्रतिफल:

- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखक द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने-अपने अनुभवों के साथ उनकी संगति सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं|

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

खड़ा हिमालय बता रहा है, डरो न आँधी पानी में,
डटे रहो तुम अपने पथ पर, सब संकट तूफानों में।
डिगो न अपने पथ से तुम, तो सब कुछ पा सकते हो प्यारे,
तुम भी ऊँचे उठ सकते हो, छू सकते हो नभ के तारे।
अटल रहा जो अपने पथ पर, लाख मुसीबत आने में,
मिली सफलता उसको जग में, जीने में मर जाने में।
जितनी भी बाधाएँ आई, उन सबसे ही लड़ा हिमालय,
इसीलिए तो जगत भर में, हुआ सभी से बड़ा हिमालय।

प्र०7: प्रस्तुत कविता में किसकी विशेषता की ओर संकेत किया गया है?

क. हिमालय

ख. पर्वत

ग. आँधी-तूफान

घ. पानी

प्र०8: जीवन में सबकुछ प्राप्त करने के लिए कवि के अनुसार क्या आवश्यक है?

क. पथ बदल लेना

ख. दूसरों से सहायता माँगना

ग. पथ पर डटे रहना

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०9: हिमालय के समान बड़ा बनने के लिए कौन-सी विशेषताएं होनी चाहिए?

क. मुसीबत के समय डटकर मुकाबला करना

ख. संकटों से घबराकर भाग जाना

ग. मुसीबत आने पर धैर्य खो देना

घ. उपरोक्त सभी

प्र०10: उपर्युक्त पद्यांश के अनुसार एक मनुष्य में कौन-सी चारित्रिक विशेषताएं होनी चाहिए?

क. धैर्यता

ख. सहनशीलता

ग. दृढ़ निश्चयता

घ. उपरोक्त सभी

प्र०11: हिमालय शब्द दो शब्दों 'हिम+आलय' को जोड़ कर बना है| संधि के भेदों के अनुसार यह कौन-सी संधि है?

क. स्वर संधि

ख. दीर्घ संधि

ग. गुण संधि

घ. व्यंजन संधि

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (घ), 3 (ग), 4 (ख), 5 (ग), 6 (ग), 7 (क), 8 (ग), 9 (क), 10 (घ), 11 (ख)

पाठ - 2

दादी माँ

शिक्षण के लक्ष्य:

- बुजुर्गों का जीवन में महत्त्व समझाते हुए पाठ का वाचन करवाया जाएगा|
- समाज के ग्रामीण जीवन एवं मध्यम वर्ग के चरित्र का वर्णन किया जाएगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ को व्याख्यात्मक पद्धति से समझाया जाएगा|
- शब्दों के शुद्ध उच्चारण पर बल दिया जाएगा|
- विराम चिन्हों के प्रयोग पर ध्यान दिया जाएगा|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- अपने दादा या दादी के बारे में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- लिखते समय मात्राओं की शुद्धता पर बल दिया जाएगा|
- पाठ के अंत में कम-से-कम पांच शब्दों के अर्थ लिखने में सक्षम होंगे| जैसे - आषाढ़, शुभचिंतक, कमजोर, जलाशय आदि|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ के अंत में पाठ में प्रयुक्त 8 से 10 शब्दों को समझते हुए शब्द भंडार में वृद्धि करने में सक्षम होंगे| जैसे - 2 पुनरुक्त शब्द अपने-अपने, 2 विलोम शब्द रात-दिन, 2 योजक शब्द जरा-सी और 2 नुक्ता शब्द आदि खोज़ कर लिखने में सक्षम होंगे|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: अपने पारिवारिक परिवेश की चर्चा करेंगे, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से मूल्यांकन किया जाएगा| जैसे - 1. लेखक के जीवन में प्रेरणा स्त्रोत कौन थी? 2. पाठ में प्रयुक्त हिन्दी के महीनों के नाम बताइए? एवं प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जाएगा|
- बुजुर्गों से मिलने वाले अथाह निस्वार्थ प्रेम की भावना से अवगत कराना|
- अपने बुजुर्गों को यथा योग्य आदर और सम्मान देना|
- अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय उनकी सेवा के लिए निकालना|
- उनसे मिलने वाली सीख और ज्ञान का मूल्य समझना|

सीखने का प्रतिफल:

- किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक/सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं|

निम्नलिखित सूचना को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

डी०एल०डी०ए०वी० पब्लिक स्कूल

शालीमार बाग, दिल्ली

सूचना

12 फरवरी, 20XX

पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय प्रांगण में एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य छात्रों को सस्ती दर पर पुस्तकें उपलब्ध कराने के अलावा पठन के प्रति रुचि उत्पन्न करना है। समय एवं अन्य विवरण इस प्रकार है—

दिनांक एवं समय — 18 फरवरी, 20XX
समय प्रात: 9 बजे से सायं 6 बजे तक

स्थान — विद्यालय प्रांगण

मुख्य आकर्षण — 25 प्रतिशत छूट एम०आर०पी० पर।

गौतम शर्मा

दसवीं-बी

प्र०1: प्रस्तुत सूचनापट्ट में किस विषय से संबंधित आयोजन का विवरण दिया गया है?

क. चित्रकला प्रदर्शनी

ख. पुस्तक प्रदर्शनी

ग. पोस्टर प्रदर्शनी

घ. वार्षिक महोत्सव प्रदर्शनी

प्र०2: पुस्तक प्रदर्शनी के आयोजन का मुख्य उद्देश्य क्या है?

क. विद्यालय के लिए फंड इकठ्ठा करना

ख. लेखन कौशल में रुचि उत्पन्न करना

ग. सस्ती दरों पर पुस्तक उपलब्ध कराना

घ. उपरोक्त सभी

प्र०3: पुस्तक प्रदर्शनी में कितने प्रतिशत छूट दी जाएगी?

क. चालीस प्रतिशत

ख. पच्चीस प्रतिशत

ग. पचास प्रतिशत

घ. सौ प्रतिशत

प्र०4: एम० आर० पी० (Maximum Retail Price) संक्षेपण का हिन्दी में पूरा नाम क्या है?

क. न्यूनतम खुदरा मूल्य

ख. अधिकतम खुदरा मूल्य

ग. ज़्यादा खुदरा मूल्य

घ. कम खुदरा मूल्य

प्र०5: विद्यालय शब्द का सही संधि-विच्छेद कौन-सा है?

क. विद+आलय

ख. विद्या+लय

ग. विद्या+आलय

घ. इनमें से कोई नहीं

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (ख), 4 (ख), 5 (ग)

पाठ - 3

हिमालय की बेटियाँ

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ना|
- हिमालय पर्वत व उससे निकलने वाली पवित्र नदियों के बारे में समझाना|
- लेखक द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का मानवीकरण किया गया है उसके विषय में बताना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- लेखक ने हिमालय पर्वत व नदियों को पिता व पुत्री के समान प्रस्तुत किया है| चर्चा करते हुए पठन अभ्यास किया जाएगा|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में छात्र प्रकृति से मिलने वाले संसाधनों को सुरक्षित रखने हेतु किए जाने वाले उपायों पर लेखन कार्य करेंगे|
- हिमालय पर्वत से निकलने वाली किन्ही 5 नदियों की सूची तैयार करेंगे|
- पाठ के अंत में नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझकर वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होंगे| जैसे - रावी, सतलुज, व्यास, चनाब, झेलम आदि|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने में सक्षम होंगे| जैसे - मूसलाधार, समतल, चंचल आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा, लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी आदि|
- पाठ के अंत में दिए आलेखीय अभ्यासों की सहायता से मूल्यांकन किया जाएगा| जैसे - 1. सिंधु और ब्रह्मपुत्र की क्या विशेषताएं बताई गई है? 2. हिमालय की यात्रा में लेखक ने किन-किन की प्रशंसा की है?
- प्रकृति की अमूल्य धरोहर नदियों को स्वच्छ रखने का संकल्प लेंगे|
- पहाड़ों की सुन्दरता और पवित्रता को बनाए रखने में सहयोग देने का प्रण लेंगे|

सीखने का प्रतिफल:

- अपने परिवेश में मौजूद लोक-कथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं|

निम्नलिखित लोकगीत को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

सखि, होली ने धूम मचाई, महिनवा फागुन का।

देखो झूम-झूम नाचे है मनवा, महिनवा फागुन का।।

हरे-हरे खेतवा में पीली-पीली सरसों, टेसू का रंग नहीं छूटेगा बरसों

आज धरती का नूतन सिंगार, महिनवा फागुन का। सखि...

अबीर-गुलाल की धूम मची है, रंगों की कैसी फुहार चली है

तन रंग गयो, हां मन रंग गयो मोरा, महिनवा फागुन का। सखि...

कान्हा के हाथ कनक पिचकारी, राधा के हाथ सोहे रंगों की थारी

होरी खेल रहे हां, होली खेल रहे बाल-गोपाल,

महिनवा फागुन का। सखि...

बैर-भाव की होली जली है, गाती बजाती ये टोली चली है

सखि प्रेम-रंग हां, देखो प्रेम-रंग बरसे अंगनवा

महिनवा फागुन का। सखि...

प्र०1: प्रस्तुत लोकगीत के अनुसार होली का त्योहार किस देसी महीने में आता है?

क. आषाढ़ के महीने में

ख. फाल्गुन के महीने में

ग. श्रावण के महीने में

घ. आश्विन के महीने में

प्र०2: प्रस्तुत लोकगीत में कवि ने होली के रंगों की तुलना किस किस से की है?

क. हरे-भरे खेतों से

ख. टेसू (पलाश के फूल) से

ग. पीली-पीली सरसों से

घ. उपरोक्त सभी

प्र०3: प्रस्तुत लोकगीत में कौन किसके साथ होली खेल रहा है?

क. रामजी सीता के साथ

ख. बलराम गोपियों के साथ

ग. कृष्णजी राधा के साथ

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०4: होली का त्योहार किसका प्रतीक है?

क. बैर-भाव भूलने का

ख. बैर-भाव याद करने का

ग. लड़ने-झगड़ने का

घ. रंग लगाने का

प्र०5: 'कान्हा के हाथ कनक पिचकारी' में प्रयुक्त 'कनक' शब्द का सही अर्थ क्या हैं?

क. गेहूँ की पिचकारी

ख. सोने की पिचकारी

ग. पीतल की पिचकारी

घ. चांदी की पिचकारी

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (घ), 3 (ग), 4 (क), 5 (ख)

पाठ - 4

कठपुतली

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों को स्वाभिमान से जीने के लिए प्रेरित करना|
- राजस्थान के प्रचलित खेल कठपुतली के माध्यम से पराधीन रहने के दुष्परिणामों से परिचित कराते हुए वाचन अभ्यास कराया जाएगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- विद्यार्थियों को कवि की अन्य रचनाओं के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना|
- शब्दों व मात्राओं के शुद्ध उच्चारण पर ध्यान देना|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम सात वाक्य(40 से 45 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- राजस्थान की परम्पराओं के बारे में कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों की लेखन कौशल को जानना|
- पाठ के अंत में किसी के हाथ के कठपुतली बनकर जीना कितना मुश्किल है इस विषय पर छात्र अपने विचार 40-50 शब्दों में लिखेंगे,लेखन कौशल का विकास होगा|
- एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना|
- पाठ के अंत में वाक्य प्रयोग के माध्यम से 8 से 10 नए शब्दों को सीखने में सक्षम होंगे| जैसे-कठपुतली, धागे, पाव, पहली, छंद आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: राजस्थानी परम्पराओं पर चर्चा, लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से, कविता को कंठस्थ कर कक्षा में प्रस्तुत करेंगे, नए शब्दों के अर्थ और श्रुतलेख लिया जाएगा|
- स्वतंत्रता का महत्व समझना और स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति मन में श्रद्धा और आदर के भाव जागृत करते हुए अपने देश की स्वतंत्रता को बनाए रखने का प्रण लेना|

सीखने का प्रतिफल:

- कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे - कलात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि|

निम्नलिखित कविता को पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

उन्नत भाल हिमालय, सुरसरि गंगा जिसकी आन।

उन्मुक्त तिरंगा शांति - दूत बन देता है संज्ञान।

चक्र सुदर्शन-सा लहराए करता है गुणगान।

चहुँ दिशा पहुँचेगी मेरे भारत की पहचान।।

महाभारत, रामायण, गीता, जन-गण-मन सा गान।

ताजमहल भी बना, मेरे भारत का अमिट निशान।

महिला शक्ति बन उभरीं, महामहिम भारत की शान।

अद्‌वितीय, अजेय, अनूठा ही है, भारत मेरा महान।।

यह वो देश है जहाँ से, दुनिया ने शून्य को जाना।

खेल, पर्यटन और फिल्मों से, है जिसको पहचाना।

अंतरिक्ष पहुँच, तकनीकी प्रतिभाओं से विश्व भी माना।

बिना रक्त क्रांति के जिसने, पहना स्वाधीनी बाना।।

भाषा का सिरमौर, सभ्यता, संस्कार सम्मान।

न्याय और आतिथ्य हैं, मेरे भारत के परिधान।

विज्ञान, ज्ञान, संगीत, मिला आध्यात्म गुरु का मान।

ऐसे भारत को 'आकुल' का, शत-शत बार प्रणाम।।

प्र०1: इस कविता में किसका वर्णन किया गया है?

क. भारतीय ध्वज का

ख. भारत देश का

ग. भारतीय भाषाओं का

घ. भारतीय वास्तुकला का

प्र०2: 'अद्‌वितीय, अजेय, अनूठा' ये विशेषण किसके लिए प्रयुक्त हुए है?

क. हिमालय के लिए

ख. गंगा नदी के लिए

ग. भारत देश के लिए

घ. ताजमहल के लिए

प्र०3: प्रस्तुत कविता में कौन से धार्मिक ग्रंथ का जिक्र नहीं किया गया है?

क. बाइबल

ख. महाभारत

ग. गीता

घ. रामायण

प्र०4: प्रस्तुत कविता में भारत देश की किन उपलब्धियों को गिनाया गया है?

क. शून्य का आविष्कार

ख. अंतरिक्ष विज्ञान का विकास

ग. खेल, पर्यटन और फिल्मों के माध्यम से पहचान

घ. उपरोक्त सभी

प्र०5: 'सुदर्शन' शब्द में उपसर्ग व मूलशब्द क्या है?

क. सुद (उपसर्ग)+दर्शन (मूलशब्द)

ख. सुदर्शन (उपसर्ग)+अ (मूलशब्द)

ग. सु (उपसर्ग)+दर्शन (मूलशब्द)

घ. सुद (उपसर्ग)+रशन (मूलशब्द)

सीखने का प्रतिफल:

- विविध कलाओं, जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी, नृत्यकला से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं|

नीचे अजंता की गुफाओं के विषय में बताया गया है| इसे ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

औरंगाबाद से 101 किमी दूर उत्तर में अजंता की गुफाएँ स्थित हैं। सह्याद्रि की पहाड़ियों पर स्थित इन 30 गुफाओं में लगभग 5 प्रार्थना भवन और 25 बौद्ध मठ। इन गुफाओं की खोज आर्मी ऑफिसर जॉन स्मिथ व उनके दल द्वारा सन्

1819 में की गई थी। वे यहाँ शिकार करने आए थे तभी उन्हें कतारबद्ध 29 गुफाओं की एक श्रृंखला नजर आई और इस तरह ये गुफाएँ प्रसिद्ध हो गई| घोड़े की नाल के आकार में निर्मित ये गुफाएँ अत्यन्त ही प्राचीन व ऐतिहासिक महत्व की है। इनमें 200 ईसा पूर्व से 650 ईसा पश्चात तक के बौद्ध धर्म का चित्रण किया गया है। अजंता की गुफाओं में दीवारों पर खूबसूरत अप्सराओं व राजकुमारियों के विभिन्न मुद्राओं वाले सुंदर चित्र भी उकेरे गए है, जो यहाँ की उत्कृष्ट चित्रकारी व मूर्तिकला के बेहद ही सुंदर नमूने है।अजंता की गुफाओं को दो भागों में बाँटा जा सकता है। एक भाग में बौद्ध धर्म के हीनयान और दूसरे भाग में महायान संप्रदाय की झलक देखने को मिलती है। हीनयान वाले भाग में 2 चैत्य हॉल (प्रार्थना हॉल) और 4 विहार (बौद्ध भिक्षुओं के रहने के स्थान) है तथा महायान वाले भाग में 3 चैत्य हॉल और 11 विहार है। ये 19वीं शताब्दी की गुफाएँ है, जिसमें बौद्ध भिक्षुओं की मूर्तियाँ व चित्र है। हथौड़े और चीनी की सहायता से तराशी गई ये मूर्तियाँ अपने आप में अप्रतिम सुंदरता को समेटे है।

प्र०6: अजंता की गुफाओं की खोज़ किसके द्वारा और कब की गई?

क. जॉन स्मिथ द्वारा सन् अठारह सौ उन्नीस में

ख. माइकल स्मिथ द्वारा सन् उन्नीस सौ अठारह में

ग. स्मिथ जॉन द्वारा सन् अठारह सौ नौ में

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०7: "कतारबद्ध' शब्द का सही अर्थ क्या है?

क. अलग-अलग पंक्ति में

ख. एक ही पंक्ति में

ग. दूर-दूर पंक्ति में

घ. पास-पास पंक्ति में

प्र०8: अजंता की गुफाओं का आकार किस प्रकार का है?

क. हाथी की सूँड जैसा

ख. घोड़े की नाल जैसा

ग. ऊँट की पीठ जैसा

घ. गोलाकार

प्र०9: बौद्धधर्म के दो संप्रदाय कौन-कौन से है?

क. हीनयान

ख. महायान

ग. (क) व (ख) दोनों

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०10: अजंता की गुफाओं में किन-किन की मूर्तियाँ एवं चित्र बने हुए है?

क. बौद्ध भिक्षुओं के

ख. अप्सराओं के

ग. राजकुमारियों के

घ. उपरोक्त सभी

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (क), 4 (घ), 5 (ग) 6 (क), 7 (ख), 8 (ख), 9 (ग), 10 (घ)

पाठ - 5

मिठाईवाला

शिक्षण के प्रतिफल:

- शिक्षक द्वारा पढ़ाई गए पाठ को विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे| पाठ के नायक खिलौने वाले की मनोदशा पर चर्चा करते हुए वाचन अभ्यास करेंगे|
- लेखक के अनुसार जीवन में खुशी और संतोष पाने के लिए पैसों की आवश्यकता नहीं होती|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में पाठ के नायक के जीवन में आए कठिन समय का धैर्यपूर्वक सामना करने के विषय में छात्र अपने विचार 40-50 शब्दों में प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने में सक्षम होंगे| जैसे - छज्जा, चेष्टा, कोलाहल, मृदुल आदि|
- पाठ में प्रयुक्त विभिन्न व्याकरण विषयों को जानना|

- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी, पाठ के अंत में दिए गए विभिन्न अभ्यासों के माध्यम से मूल्यांकन किया जाएगा|
- जीवन में आने वाले कठिन समय में भी धैर्य और साहस के साथ सामंजस्य बिठा कर चला जाना चाहिए तथा दूसरों की खुशियों में अपनी खुशियों को ढूंढ कर शांति का अनुभव प्राप्त किया जा सकता हैं, आदि नैतिक मूल्यों के विकास पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- विविध-कलाओं जैसे - हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, उन्हें समझने का प्रयास करते है|

नीचे प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना सितारा देवी जी के विषय में जानकारी दी गई गई है| इसे पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना सितारा देवी का निधन 25 नवम्बर, 2014 को हुआ था| जब वे मात्र 16 वर्ष की थीं, तब उनके नृत्य को देखकर रवीन्द्रनाथ टैगोर ने उन्हें 'नृत्य सम्राज्ञी' कहकर सम्बोधित किया था| उन्होने भारत तथा विश्व के विभिन्न भागों में नृत्य का प्रदर्शन किया| इन्हें संगीत नाटक अकादमी सम्मान मिला| इसके बाद इन्हें पद्मश्री 1976 में मिला| 1994 में इन्हें कालिदास सम्मान से सम्मानित किया गया|

प्र०1: प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना सितारा देवी जी को 'नृत्य सम्राज्ञी' की उपाधि किसने दी?

क. महात्मा गाँधी ने

ख. शर्मिला टैगोर ने

ग. रवीन्द्रनाथ टैगोर ने

घ. जवाहरलाल नेहरू ने

प्र०2: सितारा देवी जी ने अपनी कला का मंचन किन-किन देशों में किया?

क. भारत में

ख. ब्रिटेन में

ग. अमेरिका में

घ. उपरोक्त सभी

प्र०3: सितारा देवी जी ने निम्न में से कौन से पुरस्कार को लेने से मना किया था?

क. कालिदास सम्मान

ख. पद्म श्री सम्मान

ग. पद्म विभूषण सम्मान

घ. संगीत नाटक अकादमी सम्मान

प्र०4: 'निधन' शब्द का निम्न में से कौन-सा समानार्थी शब्द सही नहीं है?

क. देहांत

ख. मृत्यु

ग. स्वर्गवास

घ. आमरण

प्र०5: "रीमा को नृत्य तो आता नहीं, पर फिर भी उसने नृत्य प्रतियोगिता में भाग ले लिया और हारने पर दोष भाग्य को दिया|" इस पंक्ति के अनुसार रीमा पर कौन-सी लोकोक्ति सही बैठती है?

क. ना नौ मन तेल होगा, ना राधा नाचेगी

ख. ना रहेगा बाँस, ना बजेगी बाँसुरी

ग. नाच ना जाने आँगन टेढ़ा

घ. थोथा चना बाजे घना

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (घ), 3 (ग), 4 (घ), 5 (ग)

पाठ - 6

रक्त और हमारा शरीर

शिक्षण के लक्ष्य:

- शिक्षक द्वारा रक्त के उपयोग एवं उससे प्राप्त होने वाली ऊर्जा के तथ्य से परिचित करवाते हुए पाठ को पढ़कर समझाया और कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएंगे|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ना|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में शारीरिक संरचना के बारे में कक्षा में छात्र 40-50 शब्दों में लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझकर उनसे वाक्य निर्माण में सक्षम होना| जैसे - प्लाज्मा, ब्लड-बैंक आदि|

- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: पौष्टिक आहार में क्या-क्या शामिल किया जाता हैं, चर्चा - शारीरिक संरचना पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी आदि|
- जीवन में संतुलित आहार और स्वस्थ जीवन के मूल्य को समझते हुए अपनी दिनचर्या को सुधारने की सलाह दी जाएगी|

सीखने का प्रतिफल:

- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं|

नीचे रक्तदान संबंधी जानकारी दी गई है| उसे पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्र०1: रक्तदान के समय कौन सी बीमारियों की नि:शुल्क जाँच नहीं की जाती है?

क. डायरिया

ख. एच० आई० वी०

ग. हेपेटाईटिस बी

घ. हेपेटाईटिस सी

प्र०2: रक्तदान करने के लिए एक व्यक्ति को निम्न में से कौन-सी शर्ते पूरी करना आवश्यक है?

क. उम्र 18 वर्ष से 65 वर्ष के बीच हो

ख. आयु के अनुसार वज़न सही हो

ग. होमोग्लोबिन की मात्रा 12.5 Dl या इससे अधिक हो

घ. उपरोक्त सभी

प्र०3: रक्तदान करने से किस बीमारी से बचाव नहीं होता?

क. कैंसर की बीमारी का

ख. दिल की बीमारी का

ग. किडनी की बीमारी का

घ. मोटापे की बीमारी का

प्र०4: निम्नलिखित में से कौन-सा व्यक्ति रक्तदान कर सकता है?

क. अत्यंत वृद्ध व्यक्ति

ख. बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति

ग. गर्भवती महिला

घ. तंदुरुस्त व्यक्ति

प्र०5: 'रक्तदान करने से _____ स्वास्थ्य अच्छा रहता है|' रिक्त स्थान भरो?

क. मानसिक स्वास्थ्य

ख. शारीरिक स्वास्थ्य

ग. (क) व (ख) दोनों

घ. आंतरिक स्वास्थ्य

उत्तर-तालिका = 1 (क), 2 (घ), 3 (ग), 4 (घ), 5 (ग)

पाठ -7

पापा खो गए

शिक्षण के लक्ष्य:

- मूक प्राणियों के व्यवहार का ज्ञान - पर चर्चा करते हुए पाठ को पढ़ाते और समझाते हुए कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएंगे|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में किन्ही दो निर्जीव वस्तुओं की आपस में बैच आ.ई.टी करवाते हुए अपने विचार संवाद के रूप में लिखकर प्रस्तुत करेंगे|
- 5 - 5 वाक्य लिखते हुए संवाद लेखन में सक्षम होंगे|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझकर उनसे वाक्य निर्माण में सक्षम होना| जैसे - बॉक्स, खंबा, बेहोश, दुष्ट, मुद्रा आदि|
- नए शब्दों के अर्थ जानकार वाक्य प्रयोग के माध्यम से अभ्यास करेंगे|

- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: कक्षा में छात्रों से अभिनय करवाना, चर्चा - अन्य लेखक के नाटक पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी आदि|
- निस्वार्थ भाव से लोगों की मदद करने की सीख देना, हर व्यक्ति और वस्तु का अपना विशेष महत्त्व है, इस बात को समझना आदि नैतिक मूल्यों के विकास पर बल दिया जाएगा|

सीखने के प्रतिफल:

- विभिन्न स्थानीय, सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दों/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं, जैसे - बरसात के दिनों में हरा-भरा होना? विषय पर चर्चा|

पिता और पुत्र के बीच निम्नलिखित संवाद को पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

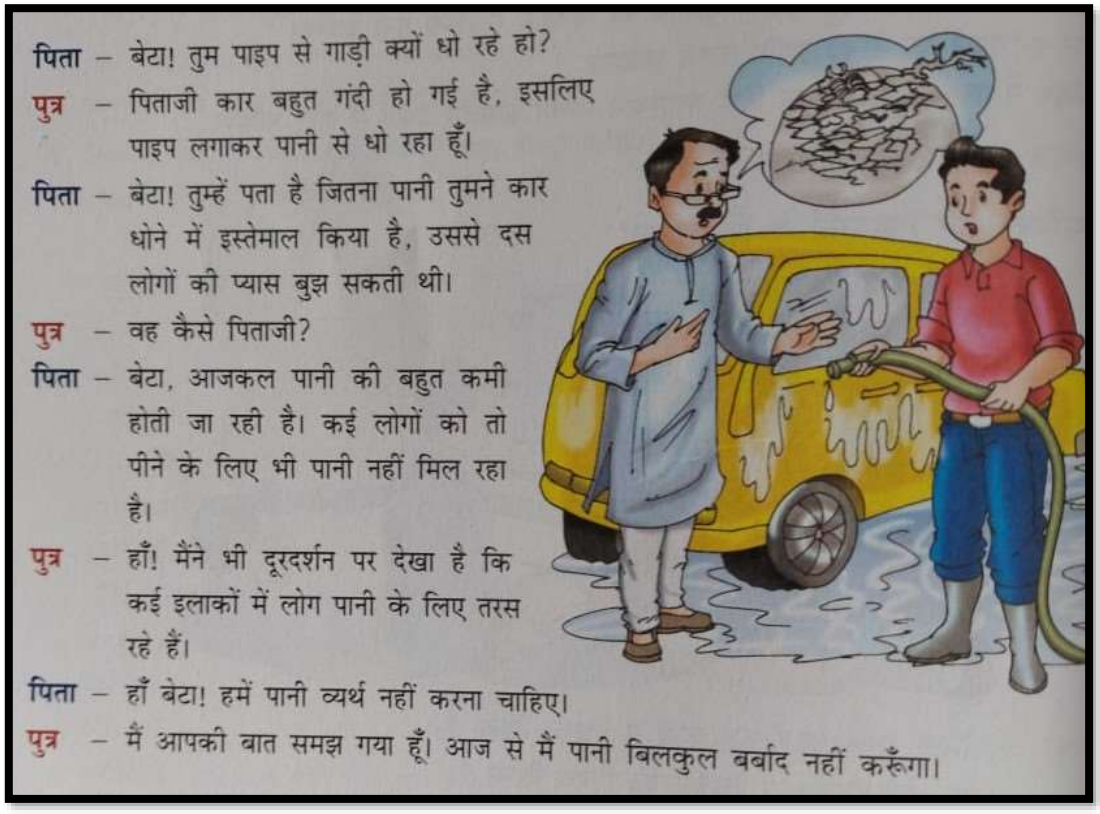

प्र०1: प्रस्तुत संवाद में किस सामाजिक समस्या की ओर संकेत किया गया है?

क. बिजली की समस्या का

ख. पानी की कमी की समस्या का

ग. चोरी की समस्या का

घ. सड़कों पर गड्ढों की समस्या का

प्र०2: कार धोने के लिए पाइप के अतिरिक्त ओर किस साधन का उपयोग किया जा सकता है जिससे पानी का बचाव हो सके?

क. झाड़ू द्वारा

ख. वाशिंग मशीन द्वारा

ग. बाल्टी में पानी, मग और कपड़े द्वारा

घ. उपरोक्त सभी

प्र०3: मानव जीवन के लिए पानी अत्यंत आवश्यक है| निम्नलिखित किन-किन कार्यों के लिए पानी का सही उपयोग किया जाता हैं?

I. घरेलू कार्यों के लिए - भोजन पकाने, पानी पीने, बर्तन व वस्त्र आदि धोने के लिए इत्यादि|

II. कृषि सिंचाई, बाग-बगीचों व सार्वजनिक पार्कों के लिए

III. विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए

IV. सड़कों की सफ़ाई के लिए

क. I, II और IV

ख. I, III और IV

ग. I, II, III और IV

घ. I, II और III

प्र०4: 'पानी' शब्द का सही पर्यायवाची कौन-सा है?

क. बादल, जलद

ख. वारि, नीर

ग. सरोवर, ताल

घ. सरिता, तटिनी

प्र०5: 'पानी-पानी होना' एक मुहावरा है, जिसका सही अर्थ है-

क. चारों तरफ पानी होना

ख. मुहँ में पानी आना

ग. लज्जित होना

घ. आसमान से बहुत पानी बरसना

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (घ), 4 (ख), 5 (ग)

पाठ - 8

शाम एक किसान

शिक्षण के लक्ष्य:

- कवि द्वारा प्रकृति का मानवीकरण करके प्रस्तुत किया गया है|
- विद्यार्थियों को प्रकृति के मनोभावों को समझाते हुए प्रकृति प्रेम की भावना जाग्रत करना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- ओजस्विता पूर्ण कविता वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- कविता का सस्वर गायन करेंगे|
- नए शब्दों के उच्चारण में सावधानी रखना| जैसे - साफ़ा, चिलम, पलाश, अंगीठी, अंधकार आदि|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- विद्यार्थियों को कवि की अन्य कविताओं के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी किसान के जीवन व प्रकृति के बारे में 40-50 शब्दों में अपने विचार कक्षा में लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझकर उनसे वाक्य निर्माण में सक्षम होंगे| जैसे - दहक, सिमटा,चिलम, अंगीठी, अंधकार आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: किसान द्वारा किए गए परिश्रम पर चर्चा, किसान का महत्त्व कितना?, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी आदि|
- प्रकृति के प्रकोप से जूझता किसान परिश्रम से मुहँ नहीं मोड़ता, अत: उस के प्रति हमारे मन में सम्मान और श्रद्धा के भाव होने चाहिए आदि नैतिक मूल्य विकसित करना|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य-संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम चिन्ह और व्याकरण जैसे - क्रिया विशेषण, शब्द युग्म आदि का प्रयोग करते हैं|

निम्नलिखित कहानी को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

किसी नगर में एक धनी व्यक्ति रहता था| मोहन उसका इकलौता पुत्र था| उसने उसे सारी सुख-सुविधाएँ प्रदान की थी| मोहन की संगति बुरे लड़कों के साथ हो गई| वह सारा दिन उन लड़कों के साथ इधर-उधर घूमने में बर्बाद करने लगा| यह देखकर उसके माता-पिता बहुत परेशान रहने लगे| उन्होनें उसे बहुत समझाया लेकिन मोहन नहीं माना|

एक दिन उसके पिता को एक तरकीब सूझी| वे बाज़ार से कुछ पके सेब और एक सड़ा सेब भी खरीद कर लाए| उन्होंने अपने पुत्र को बुलाया और उन सभी सेबों

को भली-भाँति संभालने को कहा| अगले दिन पिताजी ने मोहन से सभी सेब लाने को कहा| मोहन ने देखा कि सारे सेब सड़ गए थे| यह देखकर मोहन को बहुत दुख हुआ|

उसके पिता जी ने समझाया कि जिस प्रकार एक सेब सारे सेबों को खराब कर देता है, उसी प्रकार तुम्हारे बुरे दोस्त भी तुम्हारा जीवन खराब कर देंगे| पिताजी की बातों का लड़के पर बहुत प्रभाव पड़ा| उसने उसी दिन से बुरे लड़कों की संगति छोड़ दी और वह अच्छा लड़का बन गया|

प्र०1: प्रस्तुत कहानी का उचित शीर्षक चुनिये?

क. बुरे दोस्त
ख. बुरी संगति
ग. गंदे सेब
घ. बर्बाद जीवन

प्र०2: 'एक सेब सारे सेबों को खराब कर सकता है|' इस वाक्य के लिए उपयुक्त लोकोक्ति कौन-सी है?

क. आप भले तो जग भला
ख. अंधों में काना राजा
ग. एक मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है
घ. एक हाथ से ताली नहीं बजती

प्र०3: 'इकलौता' शब्द का सही समानार्थी शब्द कौन-सा है?

क. एक से अधिक
ख. अकेला
ग. एक लात वाला
घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०4: प्रस्तुत कहानी के द्वारा कहानीकार क्या संदेश देना चाहता है?

क. हमें सड़े फल नहीं खरीदने चाहिए|

ख. हमें बुरे और सभ्य दोस्तों की संगति से बचना चाहिए|

ग. हमें बुरे दोस्तों के साथ मिलजुल कर रहना चाहिए|

घ. बुरे दोस्तों की संगति से जीवन बर्बाद नहीं होता|

प्र०5: 'मोहन सारा दिन लड़कों के साथ इधर-उधर घूमता था|' इस वाक्य में क्रिया विशेषण शब्द कौन-सा है?

क. सारा दिन

ख. मोहन

ग. घूमता

घ. इधर-उधर

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (ख), 4 (ख), 5 (घ)

पाठ - 9

चिड़िया की बच्ची

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों द्वारा आज़ादी के महत्त्व को समझते हुए आज़ादी को प्राप्त करने की भावना जाग्रत करना|
- पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ बताते हुए शुद्ध उच्चारण पर बल दिया जाएगा|
- पाठ विस्तार में सहायक - पी० पी० टी०, स्मार्टबोर्ड, पिंजरे में बंद पक्षी का चित्र आदि|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- 5 नए शब्दों का शुद्ध उच्चारण द्वारा वाचन कौशल करने में सक्षम होंगे| जैसे - बेखटके, असावधान, संकोच, बहुतेरी, बहार आदि|
- विद्यार्थियों को कवि की अन्य कविताओं के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में आज़ादी के महत्त्व के बारे में कक्षा में छात्र अपने विचार 40-50 शब्दों में लिखेंगे जिसके द्वारा छात्र अपने विचारों को व्यक्त करने में सक्षम होंगे|

- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझकर उनसे वाक्य निर्माण में सक्षम होना| जैसे - बेखटके, असावधान, संकोच, बहुतेरी, बहार आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - प्रकृति के बारे में, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी आदि|
- प्रकृति की विभिन्न वस्तुओं से स्वाभाविक अनुशासन सीखने को मिलता हैं| हमें सतर्क व सचेत रहने की आवश्यकता है आदि नैतिक मूल्य के विकास पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न संवेदनशील मुद्दों, विषयों, जैसे - जाति, धर्म, रंग, जेन्डर, रीति-रिवाज़ों के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ को अभिव्यक्त करते हैं|

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

डॉ० ज़ाकिर हुसैन साहब के बारे में कुछ बातें अविस्मरणीय हैं| 13 मई, 1967 को राष्ट्रपति का पद सँभालते हुए उन्होंने कहा था - “सारा भारत मेरा घर है, मैं सच्ची लगन से इस घर को मज़बूत और सुन्दर बनाने की कोशिश करूँगा, ताकि वें मेरे देशवासियों का उपयुक्त घर हो, जिसमें इंसाफ़ और खुशहाली का अपना स्थान हो|” डॉ० ज़ाकिर हुसैन भारत के असली सपूत थे| वे जाति-पाँति में भेदभाव नहीं करते थे| एक दिन वे राष्ट्रपति निवास के अहाते में घूम रहे थे| उन्होंने देखा

कि एक माली के घर कीर्तन हो रहा है| वे टहलते हुए उस ओर चले गए और सबके साथ एक कोने में दरी पर बैठ गए| जब लोगों ने कुर्सी लाने को कहा, तो वे बोले - " भगवान के घर में सब बराबर होते हैं|" इस प्रकार वे दरी पर ही बैठे रहे| एक बार रामलीला में जनता ने उनसे रामचन्द्र जी का तिलक करने को कहा| ज़ाकिर साहब खुशी से आए और तिलक किया| इस पर कुछ उर्दू अखबारों ने एतराज किया| डॉ० ज़ाकिर साहब बोले - " इन् नादानों की मालूम नहीं है कि में भारत का राष्ट्रपति हूँ, किसी खास धर्म का नहीं|"

प्र०1: डॉ० ज़ाकिर हुसैन देशवासियों के लिए देश को कैसा नहीं बनाना चाहते थे?

क. मज़बूत और सुन्दर देश
ख. न्यायप्रिय और खुशहाल देश
ग. धार्मिक सौहार्द से परिपूर्ण देश
घ. जात-पात पर आधारित देश

प्र०2: डॉ० ज़ाकिर हुसैन ने 13 मई, _____ को राष्ट्रपति पद सँभाला था| रिक्त स्थान में उचित सन् भरिए?

क. उन्नीस सौ सड़सठ
ख. उन्नीस सौ अड़सठ
ग. उन्नीस सौ उनहत्तर
घ. उन्नीस सौ सत्तर

प्र०3: ज़ाकिर साहब द्वारा रामचन्द्र जी का तिलक करने पर उर्दू अखबारों ने एतराज क्यों किया?

क. क्योंकि वे राष्ट्रपति थे और तिलक करना उन्हें शोभा नहीं देता
ख. क्योंकि वे मुस्लिम थे और रामचन्द्र जी हिन्दू
ग. क्योंकि वे मुसलमानों के ही राष्ट्रपति थे
घ. क्योंकि वे रामलीला के मुख्य अतिथि थे

प्र०4: 'भगवान के घर सब बराबर होते है|' इस पंक्ति का अर्थ है?

क. भगवान के घर कोई राष्ट्रपति नहीं होता

ख. भगवान के घर कोई माली नहीं होता

ग. भगवान के घर कोई भी मनुष्य छोटा-बड़ा नहीं होता

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०5: "अहाते' शब्द उर्दू का शब्द का है|' इसका हिन्दी में निम्न में से कौन-सा अर्थ सही है?

क. चारदीवारी

ख. घर

ग. कमरे

घ. उपरोक्त सभी

उत्तर-तालिका = 1 (घ), 2 (क), 3 (ख), 4 (ग), 5 (क)

पाठ - 10

अपूर्व अनुभव

शिक्षण के लक्ष्य:

- दिव्यांगो की सहायता के लिए प्रेरित करते हुए पाठ में प्रयुक्त कठिन शब्दों के अर्थ समझाते हुए वाचन होगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पाठ की व्याख्यात्मक पद्धति द्वारा, शिक्षक के सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे|
- विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम 5 से 6 नवीन शब्दों व कठिन शब्दों को पढ़ने में सक्षम होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- शुद्ध व स्पष्ट वाचन द्वारा भाषा ज्ञान में वृद्धि में सक्षम होंगे| जैसे - पोलियो ग्रस्त, दृढ़ निश्चय, यासूकी चांन, आत्मसंतुष्टि इत्यादि|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम सात वाक्य (40 से 45 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में पाठ में वर्णित अद्भुत पाठशाला और उसमें पढ़ने वाले बच्चों की कहानी पर छात्र अपने विचार 40-50 शब्दों में लिखने में सक्षम होंगे|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम 8 से 10 नवीन शब्दों व कठिन शब्दों को पढ़ने में सक्षम होंगे| जैसे - आमंत्रित, परिश्रम, शारीरिक, अपंगता, आत्मसंतुष्टि आदि|
- निम्न ले माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - अपने बचपन के अनुभव, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी इत्यादि|
- दृढ़ इच्छाशक्ति, बुद्धि और परिश्रम से कुछ भी प्राप्त किया जा सकता है आदि नैतिक मूल्यों के विकास पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट यस अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं|

नीचे शब्दकोश का एक पृष्ठ दिया गया है, उसके आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

स्थूलबुद्धि 132 स्वाद

स्थूलबुद्धि (वि०) मंदबुद्धि, मूर्ख
स्नान (पु०) जल से सारे शरीर को धोना
स्नानगृह (पु०) नहाने का कमरा
स्नायु (स्त्री०) रग, नाड़ी, पेशी
स्निग्ध (वि०) चिकना, दयालु, सुन्दर
स्नेह (पु०) प्रेम, लाड़
स्पंदन (पु०) कंपन
स्पर्द्धा (स्त्री०) होड़, ईर्ष्या, चुनौती
स्पर्श (पु०) छूना, संपर्क
स्पर्शमणि (पु०) पारस पत्थर
स्पर्शसुख (वि०) जिसका स्पर्श आनन्द दे
स्पष्ट (वि०) व्यक्त, प्रत्यक्ष, सरल
स्पष्टीकरण (पु०) स्पष्ट करना
स्फुट (वि०) व्यक्त, प्रकट, फुटकर
स्फुरण (पु०) काँपना, मन में एकाएक आना
स्फूर्ति (स्त्री०) कंपन, उत्साह, फुरती
स्मरण (पु०) याद, स्मृति, स्मृतिशक्ति
स्मारक (वि०) याद दिलानेवाला; (पु०) किसी की स्मृति में निर्मित भवन, स्तम्भ आदि
स्मित (पु०) मंद हास, मुसकान; (वि०) खिला हुआ
स्मृति (स्त्री०) स्मरण, चिंतन, याद
स्याही (स्त्री०) कालापन, अँधेरा, रोशनाई
स्रष्टा (वि०) निर्माता; (पु०) ब्रह्मा
स्राव (पु०) बहाव, टपकना,
स्रोत (पु०) धारा, तीव्र वेग, सोता
स्वगत (वि०) आत्मीय; (अ०) आप ही आप (कहना)
स्वच्छंद (वि०) अनियंत्रित, स्वाधीन
स्वच्छ (वि०) निर्मल, सफ़ेद, स्पष्ट
स्वतंत्र (वि०) स्वाधीन, आज़ाद
स्वतंत्रता (स्त्री०) स्वाधीनता, आज़ादी
स्वदेश (पु०) जन्मभूमि, मातृभूमि, वतन
स्वदेशप्रेम (पु०) जन्मभूमि का प्रेम
स्वधर्म (पु०) अपना कर्तव्य, अपनी विशेषता
स्वप्न (पु०) ख्वाब, सपना, ऊँची कल्पना
स्वप्निल (वि०) सुप्त, स्वप्न का
स्वभावतः (अ०) स्वभाव से ही, आदत के अनुसार
स्वयं (अ०) खुद, अपने आप, अकेले
स्वयंसिद्ध (वि०) जिसके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो
स्वयंसेवक (पु०) स्वेच्छा से सेवा करनेवाला
स्वरमात्रा (स्त्री०) उच्चारण की मात्रा
स्वरसप्तक (पु०) संगीत के सात सुरों (सा, रे, गा, मा, पा, धा, नि) का समूह
स्वराज्य (पु०) स्वाधीन राज्य
स्वर्ग (पु०) देवलोक
स्वर्गवास (पु०) मरना
स्वर्गसुख (पु०) स्वर्ग में प्राप्त होनेवाला सुख
स्वर्ण (पु०) सोना नाम की धातु
स्वर्णकार (पु०) सुनार
स्वर्णविद्या (स्त्री०) सोना बनाने की विद्या
स्वर्णिम (वि०) सोने का, सुनहला
स्वल्प (वि०) बहुत थोड़ा, बहुत छोटा, संक्षिप्त, अल्प
स्वसचिव (पु०) निज सचिव
स्वहित (वि०) अपने लिए लाभदायक
स्वांग (पु०) हँसी-मज़ाक का खेल-तमाशा
स्वागत (पु०) अगवानी
स्वातंत्र्य (पु०) आज़ादी, स्वतंत्रता
स्वाद (पु०) जायका, मज़ा

प्र०1: 'गंगा नदी का स्वच्छ जल पीने लायक है' पंक्ति में 'स्वच्छ' शब्द का व्याकरणिक रूप क्या है?

क. पुल्लिंग

ख. संज्ञा

ग. विशेषण

घ. स्त्रीलिंग

प्र०2: इन् शब्दों में से 'स्निग्ध' शब्द का समानार्थी शब्द कौन-सा नहीं है?

क. चिकना

ख. दयालु

ग. विश्वसनीय

घ. सुन्दर

प्र०3: 'जो व्यक्ति अपने देश में रहनेवाला हो' इस पंक्ति के लिए निम्न में से कौन-सा एक शब्द प्रयुक्त किया जा सकता है?

क. स्वराज्य

ख. स्वतंत्र

ग. स्वच्छंद

घ. स्वदेश

प्र०4: 'स्वल्प' शब्द का सही संधि-विच्छेद कौन-सा है?

क. स्व+अल्प

ख. सु+अल्प

ग. स+वलप

घ. स्व+लप

प्र०5: 'हरी मिर्च का स्वाद तीखा होता है|' इस पंक्ति में स्वाद के स्थान पर कौन-सा शब्द प्रयुक्त हो सकता है?

क. ज़ायका

ख. मज़ा

ग. (क) व (ख) दोनों

घ. इनमें से कोई नहीं

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (ग), 3 (घ), 4 (ख), 5 (क)

पाठ - 11

रहीम के दोहे

शिक्षण के लक्ष्य:

- रहीम के दोहों के माध्यम से छात्रों को मानवीय व्यवहार से जोड़ना|
- विषय पर चर्चा करते हुए शिक्षक द्वारा दोहों का अर्थ एवं रहीम दास जी ने किस तरह कम शब्दों में अधिक अर्थ समझाया है, यह बताया जाएगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- ओजस्विता पूर्ण दोहा वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- 3 दोहों का सस्वर गायन करने में सक्षम होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी कम-से-कम 3 दोहों को पढ़कर उनके अर्थ करने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- रहीम के 4 दोहे व उनसे प्राप्त शिक्षा कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने में सक्षम होंगे| जैसे - संपत्ति, विपत्ति, कसौटी, तरुवर, सुजान आदि|
- दोहे में प्रयुक्त शब्दों का मानक रूप खोजने में सक्षम होंगे|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - रहीम की अन्य रचनाओं की, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, दोहे कंठस्थ करके कक्षा में प्रस्तुत करेंगे|
- दोहों में छिपी शिक्षा को अपनाने से मनुष्य में त्याग की भावना का विकास होता है आदि नैतिक मूल्य के विकास पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- विविध कलाओं जैसे - हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला आदि से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं|

नीचे मशरूम की खेती-बाड़ी से संबंधित जानकारी दी गई है| इसे पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

अब देश में भी होगी औषधीय मशरूम

अब तक चीन और मलेशिया से किया जाता है आयात

भास्कर नेटवर्क. नई दिल्ली

औषधीय गुणों वाले मशरूम (राइशी) की खेती जल्दी ही देश में भी की जाने लगेगी। राष्ट्रीय मशरूम अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों ने हिमाचल प्रदेश के सोलन में पायलट परियोजना के तहत इस पर कार्य शुरू कर दिया है। इसकी सफलता मशरूम उत्पादकों के लिए वरदान साबित हो सकती है, क्योंकि अपने गुणों के कारण इसका दाम 2,000 रुपए प्रति किलो तक होता है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसार, इसके उत्पादन के लिए 30 से 35 डिग्री सैल्सियस तापमान जरूरी होता है। देश के मैदानी इलाकों में नौ महीने तथा तटीय इलाकों में पूरे साल तापमान ऐसा ही रहता है। इसके चलते देशभर में इसकी खेती आसानी से की जा सकती है।

अभी चीन व मलेशिया पर निर्भरता

देश में सालाना 100 करोड़ रुपए का मशरूम आयात किया जाता है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका करीब तीन अरब डॉलर का कारोबार है। इसमें बड़ा हिस्सा चीन और मलेशिया का ही है।

खाने के काम नहीं आता

तीखे स्वाद वाला मशरूम कठोर होने के कारण खाने के काम नहीं आता है। औषधीय गुणों के कारण इसका उपयोग कैंसर, एड्स, हार्ट अटैक और मधुमेह के इलाज में बड़े पैमाने पर होता है। चीन और जापान की चिकित्सा पद्धति में यह पीड़ानाशक के तौर पर प्रयुक्त होता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इसमें प्राकृतिक तौर पर एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण चिकित्सा जगत में इसकी बड़ी मांग है।

कोई भी कर सकता है उत्पादन

मशरूम के उत्पादन के लिए किसी सरकारी मंजूरी की जरूरत नहीं होती। इसे सुखाकर बाजार में बेचा जा सकता है। दवा कंपनियां सूखे मशरूम को दवा की टिकिया, कैप्सूल, पावडर या लिक्विड रूप में बेचती हैं।

और अब शूगर-फ्री आलू

सागर (मप्र). डायबिटीज के मरीजों को निकट भविष्य में आलू से परहेज नहीं करना पड़ेगा। मध्य प्रदेश के उद्यानिकी विभाग ने शूगर-फ्री आलू का बीज तैयार करना शुरू कर दिया है। चिपसोना नाम का यह आलू सागर में तैयार किया जा रहा है। एक हैक्टेयर में बीज उत्पादन की लागत एक लाख रुपए आएगी और पैदावार अच्छी होने पर आसानी से दो लाख रुपए के आलू का उत्पादन होगा। इसे उगाने वाले किसानों को कुल लागत की 50 फीसदी (अधिकतम 25 हजार रुपए) सब्सिडी मिलेगी।

प्र०1: औषधीय गुणों वाले मशरूम की खेती के लिए भारत देश का वातावरण लाभप्रद कैसे है?

क. क्योंकि भारत देश की भौगोलिक स्थिति खेती के अनुरूप है

ख. क्योंकि भारत देश के मैदानी इलाकों का तापमान खेती के अनुरूप है

ग. क्योंकि भारत देश में खेती के लिए उपजाऊ जमीन है

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०2: औषधीय गुणों वाले मशरूम का उपयोग निम्न में से किस बीमारी के लिए नहीं होता?

क. कैंसर संबंधी बीमारी के लिए

ख. एड्स संबंधी बीमारी के लिए

ग. लिवर संबंधी बीमारी के लिए

घ. हार्ट अटैक संबंधी बीमारी के लिए

प्र०3: दवा कंपनिया सूखे मशरूम को किस रूप में नहीं बेचती?

क. टिकिया या गोली के रूप में

ख. कैप्सूल के रूप में

ग. पाउडर या लिक्विड रूप में

घ. इन्जेक्शन के रूप में

प्र०4: 'आयात' शब्द का सही अर्थ क्या है?

क. बाहर के किसी देश से सामान मँगवाना

ख. बाहर के किसी देश को सामान भेजना

ग. (क) व (ख) दोनों

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०5: 'अनुसंधान' शब्द में प्रयुक्त सही उपसर्ग व मूलशब्द निम्न में से कौन-सा है?

क. अ+ नुसंधान

ख. अनु+संधान

ग. अनुसंधा+न

घ. अनुसं+धान

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (घ), 4 (क), 5 (ख)

पाठ - 12

कंचा

शिक्षण के लक्ष्य:

- बाल मनोभाव के विषय में चर्चा करते हुए बच्चों के बालसुलभ व्यवहार का वर्णन करना|
- कठिन व नए शब्दों के अर्थ समझाते हुए पाठ का वाचन करवाया जाएगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पूर्वज्ञान के आधार पर छात्रों को पाठ से जोड़ा जाएगा|
- मात्राओं और विराम चिह्न को ध्यान में रखते हुए पढ़ने से वाचन कौशल का विकास होगा|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- बच्चों के खेल के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण विषय पर कक्षा में छात्र 40-50 शब्दों में अपने विचार लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने में सक्षम होंगे| जैसे - क्लर्क, मास्टर, ड्राइवर, चिकोटी, पोटली आदि|
- वाक्य प्रयोग द्वारा नए शब्दों का अभ्यास करेंगे|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - पूर्व काल की खेल सामग्रियों पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी आदि|
- अपने मन को परिस्थितियों के अनुसार सहजता से परिवर्तित करने की कला से परिचित कराना आदि नैतिक मूल्य के विकास पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- भाषा की बारीकियों/व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं, जैसे - किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पदबंध का प्रयोग - आप बढ़ते हैं तो बढ़ते हो चले जाते हैं या जल रेल जैसे प्रयोग|

नीचे दिए गए पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

चाह नहीं, मैं सुरबाला के
गहनों में गूँथा जाऊँ|
चाह नहीं प्रेमी-माल में
बिंध प्यारी को ललचाऊँ
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर,
हे हरि, डाला जाऊँ|
चाह नहीं देवों के सिर पर
चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ|
मुझे तोड़ लेना वनमाली
उस पथ पर देना तुम फेंक,
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ जाएँ वीर अनेक|

प्र०1: इस पद्यांश में कौन अपनी चाह व्यक्त कर रहा है?

क. माली

ख. फूल

ग. सैनिक

घ. सम्राट

प्र०2: 'भाग्य पर इठलाऊँ' से क्या तात्पर्य है?

क. अपनी किस्मत पर खुश होना

ख. अपनी किस्मत पर दुखी होना

ग. अपनी किस्मत पर भरोसा करना

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०3: प्रस्तुत पद्यांश में फूल ने वनमाली से क्या इच्छा जाहिर की है?

क. सुरबाला के गहनों में गूँथा जाना

ख. सम्राटों के शव पर रखा जाना

ग. सैनिकों के पथ पर बिछ जाना

घ. देवी-देवताओं के चरणों में चढ़ना

प्र०4: निम्न दिए गए शब्दों में से कौन-सा शब्द 'चाह' शब्द का समानार्थी नहीं है?

क. अभिलाषा

ख. खुशी

ग. कामना

घ. इच्छा

प्र०5: 'सम्राट' शब्द का स्त्रीलिंग रूप निम्न में से कौन-सा है?

क. सम्राटी

ख. वीरांगना

ग. सम्राज्ञी

घ. महारानी

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (क), 3 (ग), 4 (ख), 5 (ग)

पाठ - 13

एक तिनका

शिक्षण के लक्ष्य:

- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए कविता का सस्वर वाचन करवाना|
- कक्षा में बच्चों से कविता का क्रमानुसार वाचन करवाया जाएगा जिससे उनके सही उच्चारण का अभ्यास होगा| 5 नए शब्दों को जानने में सक्षम होंगे| जैसे - घमंड, झिझक, बेचैन, पाव, तिनका आदि|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- शिक्षक की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे| 5 नए शब्द सीखेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- अभिमान के दुष्परिणाम कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी अपने विचार 40-50 शब्दों में लिख पाने में समर्थ होंगे|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ लिखने में सक्षम होंगे| जैसे - आंख, बूट, मुंडेर, घमंड, तिनका, आदि|
- वाक्य प्रयोग द्वारा नए शब्दों का अभ्यास करेंगे|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - अभिमानी राजाओं की कहानियों पर, लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी आदि|
- बड़े छोटे का भेद न् करते हुए सबके साथ एक समान व्यवहार करना और अपने मन में घमंड, अहंकार की भावना को पनपने ना देना आदि नैतिक मूल्यों के विकास पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- हिन्दी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार-पत्र/पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं|

निम्नलिखित विज्ञापन को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्र०1: 'अंकल पई का जन्म 17 सितंबर _____ को हुआ था|' रिक्त स्थान को भरिए?

क. उन्नीस सौ पचास

ख. उन्नीस सौ उनतीस

ग. उन्नीस सौ उन्नीस

घ. उन्नीस सौ नौ

प्र०2: अंकल पई ने निम्न में से किस प्रकार की कृतियों की रचना नहीं की?

क. पौराणिक कृतियाँ

ख. ऐतिहासिक पात्रों की कृतियाँ

ग. जासूसी कृतियाँ

घ. जातक कथाएँ

प्र०3: अंकल पई की शिक्षा मैकेनिकल इंजीनियर (ड्रॉप आउट) है| इसमें प्रयुक्त 'ड्रॉप आउट' शब्द का क्या अर्थ है?

क. अंत तक शिक्षा को पूरा करना

ख. बीच में ही शिक्षा को छोड़ देना

ग. शिक्षा पूरी कर फ़ेल हो जाना

घ. शिक्षा पूरी कर पास हो जाना

प्र०4: निम्न में से कौन-सा पुरस्कार अंकल पई को नहीं मिला?

क. ज्ञानपीठ पुरस्कार

ख. हिन्दी साहित्य अकादमी पुरस्कार

ग. कपूरचंद पुरस्कार

घ. प्रियदर्शनी अकादमी अवार्ड

प्र०5: रोहन को महान और बहादुर व्यक्तियों की कहानियाँ पढ़ने का शौक है जिन्होंने अंग्रेजों से लोहा लिया| वह निम्न में से किस पुस्तक का चयन करेगा|

क. बीरबल द क्लेवर

ख. टेल्स ऑफ़ शिव

ग. झाँसी की रानी

घ. हितोपदेश

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (ख), 4 (क), 5 (ग)

पाठ - 14

खानपान की बदलती तस्वीर

शिक्षण के लक्ष्य:

- वर्तमान खाद्य व्यवस्था पर चर्चा करते हुए कहानी में प्रयुक्त विभिन्न भाषाओं के खाद्य व्यंजनों से संबंधित शब्दों का ज्ञान करवाना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों, जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- आधुनिक युग के खानपान से होने वाले हानि-लाभ का वर्णन कर पाठ से जोड़ा जाएगा|
- खानपान की मिश्रित संस्कृति और खानपान में बदलाव के फायदे पर 30 शब्दों में चर्चा करने में सक्षम होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (40 से 45 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- वर्तमान खाद्य व्यवस्था - कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास करने में सक्षम होंगे|
- छात्र अपने विचार 40-50 शब्दों में लिखने में सक्षम होंगे|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ के अंत में कम-से-कम 8 से 10 नए शब्दों के अर्थ बताने में सक्षम होंगे जैसे - फास्ट फूड, संस्कृति, गुणवत्ता, एथनिक आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा - सेहतमंद रहने के उपायों की, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, कहानी के अंत में दिए अभ्यास कार्य के माध्यम से|
- अच्छा स्वास्थ्य और स्वस्थ शरीर ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है आदि नैतिक मूल्यों पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं/परिचर्चा करते हैं|

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर और समझकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

उपवास रखना केवल धार्मिक विधि-विधान या कर्मकांड का ही अंग नहीं है। उपवास-व्रत भारतीय संस्कृति के पूर्ण स्वास्थ्य के सूत्र हैं। ऋतु-परिवर्तन के समय व्रत इसलिए रखे जाते हैं कि बदलते मौसम में कई किस्म की बीमारियाँ आती हैं। बीमारियों से लड़ने की रोग-प्रतिरोधक शक्ति तभी प्राप्त होगी, जब शारीरिक और मानसिक शुद्धता होगी। इसी से जीवनी-शक्ति भी प्राप्त होती है, जिससे बल व बुद्धि का बराबर संतुलन बना रहता है। उपवास के दौरान शरीर के पाचन-संस्थान को पूर्ण रूप से विश्राम मिलता है तथा शरीर में विद्यमान पुराने खाद्य अवशेष और दूषित पदार्थ नष्ट होकर मल के द्वारा बाहर निकल जाते हैं। गलत खाद्य पदार्थ ही विजातीय द्रव्य यानी विष का काम करते हैं। इस विष को जब शरीर रोग द्वारा निकालने का प्रयत्न करता है तो भूख स्वतः समाप्त हो जाती है। अतः उस समय उपवास करना अनिवार्य हो जाता है। भोजन लेने से तीव्र निष्कासन क्रिया रुक जाती है। भूख न रहने पर भोजन न किया जाए तो पूर्ण रूप से शारीरिक सफ़ाई होकर रोग का कारण जड़ से समाप्त हो जाता है। उसके

पश्चात् नियमित तथा उपयुक्त आहार देने पर रोग के लौटने की आशंका नहीं रहती।

प्र०1: भारतीय संस्कृति में पूर्ण स्वास्थ्य का सूत्र किसे माना गया है?

क. धार्मिक विधि-विधान को

ख. धार्मिक कर्मकाण्ड को

ग. उपवास व व्रत को

घ. उपरोक्त सभी

प्र०2: भारतीय संस्कृति में ऋतु परिवर्तन के समय व्रत रखने का विधान क्यों है?

क. ताकि ऋतु परिवर्तन का स्वागत किया जा सके

ख. ताकि मानसिक व शारीरिक शुद्धता प्राप्त की जा सके जो रोगों से बचाएं

ग. ताकि बल व बुद्धि का बराबर संतुलन बना रह सके

घ. ताकि शरीर को आराम प्राप्त हो सके

प्र०3: व्रत या उपवास करने से निम्न में से कौन-सा लाभ प्राप्त नहीं होता?

क. पाचन-क्रिया को विश्राम मिलता है

ख. पुराने खाद्य अवशेष और दूषित पदार्थ नष्ट होकर मल द्वारा बाहर निकल जाता है

ग. शरीर अस्वस्थ हो जाता है

घ. बल व बुद्धि का संतुलन बना रहता है

प्र०4: प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक निम्न में से कौन-सा है?

क. बल व बुद्धि का संतुलन

ख. स्वस्थ शरीर

ग. धार्मिक कर्मकाण्ड

घ. व्रत व उपवास का महत्त्व

प्र०5: 'निष्कासन' शब्द का सही अर्थ क्या है?

क. बाहर निकलना

ख. अंदर रखना

ग. (क) व (ख) दोनों

घ. इनमें से कोई नहीं

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (ख), 3 (ग), 4 (घ), 5 (क)

पाठ - 15

नीलकंठ

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों द्वारा पशु-पक्षी के मनोभावों को समझते हुए भाव-भंगिमा से परिचित होंगे|
- पाठ का भाव और कठिन शब्दों के अर्थ समझते हुए पढ़ाया व समझाया जाएगा|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- पक्षियों के बारे में अध्यापिक विद्यार्थियों को बता कर एक नए पक्षी की विशेषताओं से अवगत करवाते हुए पाठ से जोड़ेगी|
- राष्ट्रीय पक्षी मोर पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थी अपने भाव प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे|
- विद्यार्थियों को पशु और पक्षियों के बारे में जानकारी देते हुए पाठ का पठन कार्य कक्षा में करवाया जाएगा|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- अपने पालतू पशु या पक्षी के विषय पर 40-50 शब्दों में अनुच्छेद लिखकर अपने भावों की अभिव्यक्ति देंगे और लेखन कौशल का विकास करने में सक्षम होंगे|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने में सक्षम होंगे| जैसे - स्टेशन, अतिथि, रोज़गार, अलमारी, आक्रमण आदि|
- वाक्य प्रयोग द्वारा नवीन शब्दों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने में सक्षम होंगे|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - जीवन में पशु-पक्षियों की घटित घटनाएँ, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी आदि|
- असहाय और बेजुबान प्राणियों के प्रति मन में करुणा के भाव रखने की सीख देना आदि मेटिक मूल्य पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे - अपनी गाँव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह-तरह के कार्य करने वालों की बातचीत|

निम्नलिखित पत्र को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

सेवा में

डाकपाल महोदय

प्रधान डाकघर

सेक्टर - 7

नोएडा

15.08.2020

विषय: डाकिए की लापरवाही के लिए पत्र|

मान्यवर,

मैं सेक्टर -7 नोएडा का निवासी हूँ| हमारे क्षेत्र का डाकिया श्यामलाल बहुत ही लापरवाह है| वह लोगों के पत्र ठीक समय पर नहीं देता| यही नहीं, कभी-कभी तो बच्चों के हाथ में पत्र दे देता है, तो बच्चे इधर-उधर फेंक देते हैं| किसी का पत्र किसी ओर के घर में डाल जाना तो आम बात है| पत्रिकाओं को तो वह डालकर ही नहीं जाता| उसकी इसी लापरवाही के कारण पिछले सप्ताह ही मुझे नौकरी के साक्षात्कार का पत्र देरी से मिला जिसके कारण मैं साक्षात्कार नहीं दे पाया और नौकरी मेरे हाथ से चली गई|

आपसे अनुरोध है कि आप डाकिए के विरुद्ध उचित कार्यवाही करें अन्यथा उसके स्थान पर नया डाकिया नियुक्त करें जिससे हमारी समस्या का समाधान हो सके|

धन्यवाद

प्र०1: प्रस्तुत पत्र क्यों लिखा गया है?

क. अपना नाम छपवाने हेतु
ख. डाकिए की लापरवाही की ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु
ग. साक्षात्कार में ना जाने हेतु
घ. मोहल्ले में सम्मान कमाने हेतु

प्र०2: यह पत्र किस श्रेणी में रखा जा सकता है?

क. औपचारिक पत्र

ख. निमंत्रण पत्र

ग. अनौपचारिक पत्र

घ. व्यक्तिगत पत्र

प्र०3: इस पत्र में किस आवश्यक तथ्य को नहीं लिखा गया है?

क. पत्र प्राप्त करने वाले का पता

ख. पत्र लिखने का विषय

ग. पत्र लिखने की तिथि

घ. पत्र लिखने वाले का पता

प्र०4: 'साक्षात्कार' को अंग्रेज़ी भाषा में क्या कहते है?

क. वार्तालाप

ख. संवाद

ग. इंटरव्यू

घ. निमंत्रण

प्र०5: 'डाकघर' शब्द समास के किस भेद के अंतर्गत आएगा?

क. द्विगु समास

ख. तत्पुरुष समास

ग. अव्ययीभाव समास

घ. द्वंद्व समास

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (क), 3 (घ), 4 (ग) 5 (ख)

पाठ - 16

भोर और बरखा

शिक्षण के लक्ष्य:

- विद्यार्थियों को प्रकृति की सुन्दरता से अवगत कराना|
- कविता का सस्वर वाचन करवाना और कठिन शब्दों के अर्थ समझना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- कृष्ण के बचपन की घटनाओं पर चर्चा करते हुए शिक्षक द्वारा छात्रों को कविता से जोड़ा जाएगा|
- कृष्ण के विभिन्न नामों जैसे - कान्हा, श्याम, मुरलीधर आदि पर चर्चा करेंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- मीरा और कृष्ण के बारे में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- छात्र अपने विचार 40-50 शब्दों में लिखने में सक्षम होंगे|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने में सक्षम होंगे| जैसे - ललना, कंगना, गउवन, गिरधर, शरन आदि|
- बृज भाषा के शब्दों को समझने में समर्थ होंगे|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - मीरा की अन्य रचनाओं की, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी आदि|
- निश्चल और निस्वार्थ प्रेम को जीवन में पहचानना और उसको कद्र करना आदि नैतिक मूल्यों पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं|

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

एक बार एक निर्धन व्यक्ति पांडवों के सबसे बड़े भाई युधिष्ठर के पास पहुँचा| उसका नाम भी धर्मराज था, क्योंकि वह सदा धर्म के मार्ग पर चलता था| उस निर्धन व्यक्ति ने राजा से कुछ मदद माँगी| युधिष्ठर बोले " आप कल आएँ, आप जो चाहते हैं, मैं कल दूँगा|"

युधिष्ठर के भाई भीम ने उन्हें यह वचन देते हुए सुना| उन्होंने राजवंश के सभी लोगों की एक आपात बैठक बुलाई| उन्होंने घोषणा की कि अगला दिन विजय दिवस के रूप में मनाया जाएगा| अचानक हुई इस घोषणा से बेहद उथल-पुथल मच गई| सभी जानना चाहते थे कि यह किस पर विजय है और कौन जीता है| यह समाचार धर्मराज तक पहुँचा| भीम से इसका उत्तर माँगा गया| भीम ने कहा - " हमें अगले चौबीस घंटों तक मृत्यु पर विजय मिल गई है| धर्मराज ने एक निर्धन व्यक्ति से कहा कि वह सहायता पाने के लिए कल आए| इसका अर्थ

है धर्मराज को पूरा विश्वास है कि वे अगले चौबीस घंटों तक जीवित रहेंगे| क्या यह एक विजय नहीं है?"

युधिष्ठर को अपनी गलती का एहसास हुआ| उन्होंने निर्धन व्यक्ति को बुलाया और उसे यथोचित सहायता दी|

प्र०1: युधिष्ठर को ओर किस नाम से जाना जाता था?

क. पांडवों के नाम से

ख. बड़े भाई के नाम से

ग. धर्मराज के नाम से

घ. राजवंश के राजा के नाम से

प्र०2: विजय दिवस के रूप में किस पर विजय प्राप्ति के उपलक्ष्य की बात की है?

क. निर्धन व्यक्ति पर विजय की

ख. मृत्यु पर विजय की

ग. जीवन पर विजय की

घ. धर्म पर विजय की

प्र०3: 'उथल-पुथल मचाना' एक मुहावरा है, जिसका अर्थ है -

क. अव्यवस्था उत्पन्न होना

ख. तूफान मचाना

ग. बहुत शोर मचाना

घ. तहस-नहस करना

प्र०4: 'धर्मराज' शब्द में कौन सा समास है?

क. द्विगु समास

ख. तत्पुरुष समास

ग. द्वंद्व समय

घ. अव्ययीभाव समास

प्र०5: प्रस्तुत गद्यांश का मूलभाव क्या है?

क. हमें आज का कार्य कल करना चाहिए

ख. हमें आज का कार्य कभी नहीं करना चाहिए

ग. हमें आज का कार्य आज ही करना चाहिए

घ. हमें धर्म का कार्य करना चाहिए

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (ख), 3 (क), 4 (ख), 5 (ग)

पाठ - 17

वीर कुंवर सिंह

शिक्षण के लक्ष्य:

- स्वतंत्रता संग्राम का मूल्य समझाते हुए विद्यार्थियों को स्वाभिमान से जीने के लिए प्रेरित करना|
- क्रांतिकारियों के बलिदान से अवगत कराना|
- पाठ के कठिन शब्दों के अर्थ बताना व पाठ पढ़ाना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- 5 कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण करने में सक्षम होंगे| जैसे - विद्रोह, घोषित, अत्यधिक, युद्ध, संघर्ष आदि|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- विद्यार्थियों को स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के मूल्य के माध्यम से स्वतंत्रता के महत्त्व से परिचित कराना|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- पाठ के अंत में स्वतंत्रता पर अपने विचार 40-50 शब्दों में लिखकर प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे|

- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझकर वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होंगे| जैसे - स्वाभिमानी, व्यक्तित्व, स्वभाव, व्यवस्था, उल्लेखनीय आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - स्वतंत्रता संग्राम पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी आदि|
- स्वतंत्रता का मूल्य पहचानते हुए अपने देश के स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान देना आदि नैतिक मूल्यों पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिन्दु को खोजते हैं|

निम्नलिखित संवाद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

ग्राहक - दो किलो आलू और आधा किलो भिंडी तो देना|

दुकानदार - (प्लास्टिक की थैलियों में डालते हुए) ये लीजिए भाई साहब|

ग्राहक - अरे! रुको| मुझे प्लास्टिक की थैलियों में सामान नहीं चाहिए| मैं घर से थैला लाया हूँ| इसमें डालो|

दुकानदार - पर क्यों भाई साहब?

ग्राहक - प्लास्टिक की थैलियाँ वातावरण को प्रदूषित करती हैं|

दुकानदार - पर साहब, ये वातावरण को कैसे प्रदूषित करती हैं?

ग्राहक - प्लास्टिक एक ऐसा पदार्थ है जो आसानी से नष्ट नहीं होता| इसे जलाने से वातावरण में प्रदूषण फैलता है| पशु यदि इसे खा ले मर सकते हैं|

दुकानदार - ठीक है तो, मैं भी आज से प्लास्टिक की थैलियों का प्रयोग नहीं करूँगा|

प्र०1: प्रस्तुत संवाद का विषय क्या है?

क. सब्जियों के भाव का विषय
ख. प्लास्टिक की थैलियों का प्रयोग ना करने का विषय
ग. महँगाई का विषय
घ. प्रदूषण का विषय

प्र०2: वातावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर किन-किन चीज़ों का उपयोग कर सकते है?

क. कपड़े के थैले का
ख. कागज़ के थैले का
ग. (क) व (ख) दोनों का
घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०3: प्लास्टिक की थैलियों को जलाने पर क्या होता है?

क. चारों तरफ़ अंधेरा हो जाता है
ख. जलाने से उत्पन्न धुएं से सांस लेने में तकलीफ होती है
ग. चारों तरफ़ खुशबू फैल जाती है
घ. उपरोक्त सभी

प्र०4: 'अरे! रुको|' इसमें 'अरे' शब्द के बाद प्रयुक्त विराम चिह्न कौन-सा है?

क. प्रश्नसूचक चिह्न

ख. पूर्णविराम चिह्न

ग. योजक चिह्न

घ. विस्मयसूचक चिह्न

प्र०5: 'मोहन दो किलो आलू खरीद कर लाया|' इस वाक्य में विशेष्य शब्द कौन-सा है?

क. मोहन

ख. दो किलो

ग. आलू

घ. लाया

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (ग), 3 (ख), 4 (घ), 5 (ग)

पाठ - 18

संघर्ष के कारण के तुनक मिजाज़

शिक्षण के लक्ष्य:

- राष्ट्रीय खेल हॉकी से जोड़ते हुए छात्रों द्वारा अपने जीवन में मनोरंजन के स्त्रोतों का विश्लेषण करना|
- कठिन व नए शब्दों के अर्थ समझते हुए पाठ को समझाना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- अपने पसंदीदा हॉकी खिलाड़ी के विषय पर कक्षा में विद्यार्थियों के साथ चर्चा की जाएगी एवं विद्यार्थी अपने विचार प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- लेख के माध्यम से अन्य खिलाड़ियों के बारे में छात्र 5 से 6 वाक्य लिखकर अपना लेखन कौशल बढ़ाएगे|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने में सक्षम होंगे| जैसे - साक्षात्कार, सुप्रसिद्ध, हैसियत, जूनियर, राष्ट्रीय आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: मेजर ध्यानचंद पर चर्चा, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी आदि|
- अनजाने में हुई भूल की माफी मांग लेने में ही समझदारी है आदि नैतिक मूल्यों पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- भित्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका सम्पादन करते हैं|

बाल-भास्कर के प्रथम पृष्ठ को देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

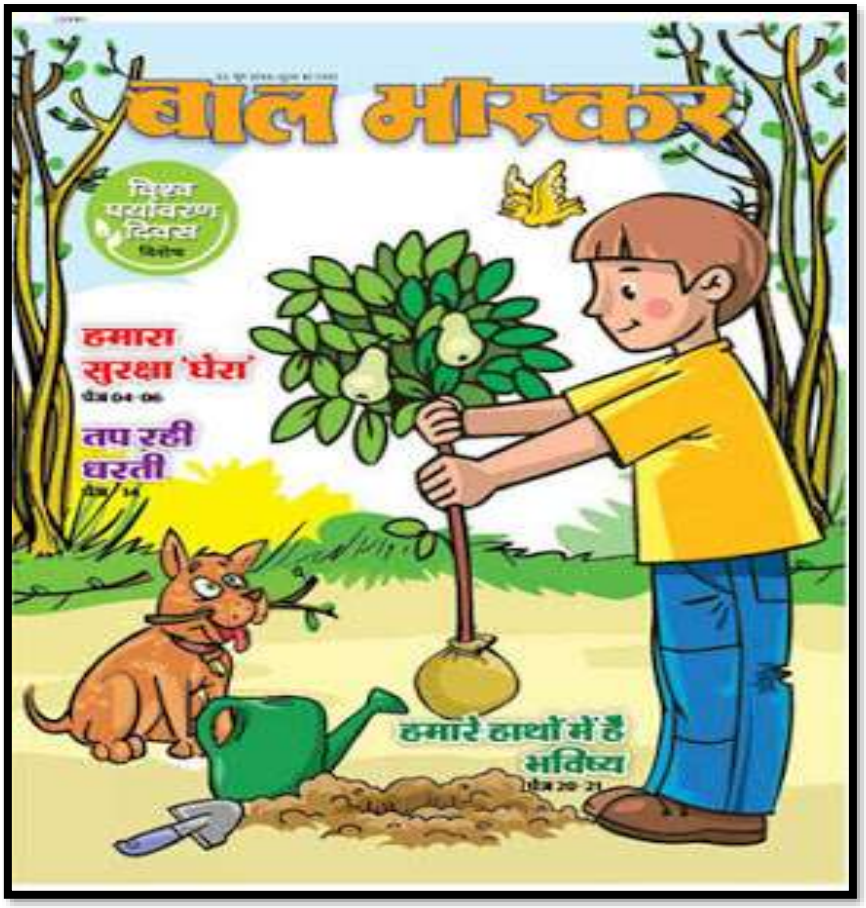

प्र०1: बाल-भास्कर के इस अंक का मुख्य विषय क्या हैं?

क. पतझड़ का मौसम

ख. प्रकृति और जानवर

ग. पर्यावरण की देखभाल

घ. उड़ती हुई चिड़िया की कहानी

प्र०2: बाल-भास्कर के इस अंक में किस विषय पर प्रविष्टियाँ नहीं भेजी जा सकती है?

क. प्रदूषण की रोकथाम पर

ख. भ्रष्टाचार पर

ग. प्रकृति पर कविताएं

घ. प्लास्टिक प्रयोग के दुष्प्रभाव पर

प्र०3: पर्यावरण को बचाने के लिए मनुष्य को क्या-क्या करना चाहिए?

क. पेड़-पौधों की देखभाल करनी चाहिए

ख. अंधाधुंध वृक्षों की कटाई पर रोक

ग. प्रदूषण को नियंत्रित करना

घ. उपरोक्त सभी

प्र०4: "मैं प्रतिदिन बगीचे के पेड़-पौधों की देखभाल करता हूँ।" इस पंक्ति में काल के किस भेद की ओर संकेत किया गया है?

क. भविष्यत् काल

ख. भूतकाल

ग. वर्तमान काल

घ. अपूर्ण भूतकाल

प्र०5: 'पर्यावरण' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?

क. प

ख. पर

ग. प्रया

घ. परि

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (ख), 3 (घ), 4 (ग), 5 (घ)

पाठ - 19

आश्रम का अनुमानित व्यय लेखा- जोखा

शिक्षण के लक्ष्य:

- गाँधी जी के किए गए कार्यों पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को गाँधीजी द्वारा किए गए आश्रमों की स्थापना से अवगत करवाना|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- गाँधीजी के पूर्वज्ञान के आधार पर छात्रों को पाठ से जोड़ा जाएगा|
- गाँधी जी के जीवन पर अपने विचार 5 से 6 वाक्यों में प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- भाषा के शुद्ध उच्चारण में सक्षम होंगे| जैसे - संभावना, व्यवस्था, सपरिवार, औजार, व्यक्ति आदि|
- गाँधी जी के आंदोलन के बारे में छात्र 6 से 7 वाक्य लिखेंगे जिसके माध्यम से छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने में सक्षम होंगे| जैसे - बैलगाड़ी, स्थानीय, हथकरघा, राजमिस्त्री, औजार आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - गाँधी जी के जीवन पर लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से| जैसे - 1. गाँधी जी का जन्म कहाँ हुआ था| 2. उन्होंने अपने आश्रम की स्थापना किस शहर में की?, प्रश्नोत्तरी आदि|
- अपना कार्य स्वयं करने में शर्म नहीं गर्व का अनुभव होना चाहिए आदि नैतिक मूल्यों पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं|

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

पराधीनता हमारी आत्मा को मार देती है| जो व्यक्ति अन्य के अधीन हो, उसे कभी सम्मान और आत्म-गौरव की अनुभूति नहीं हो पाती| हीनता की भावना से ग्रस्त रहकर वह अपमानित जीवन बिताने के लिए विवश हो जाता है| पराधीनता से मुक्ति के लिए जो भी मूल्य चुकाना पड़े, कम है| कायर व्यक्ति स्वाधीनता का महत्त्व नहीं समझता है| वह संघर्ष से डरता है| कायर और डरपोक व्यक्ति स्वाधीन रह ही नहीं सकता| वही व्यक्ति और वही जाति स्वाधीन रह सकती है जो संघर्ष करना जानती है| भाग्य पर रोने वाले तथा दासता को नियति मानने वाले कभी भी सुखी नहीं रह सकते| कहा भी जाता है कि पराधीन को सपने में भी सुख नहीं मिलता|

प्र०1: पराधीन व्यक्ति किस अनुभूति से वंचित रह जाता है?

क. अपमान की अनुभूति से

ख. विवशता की अनुभूति से

ग. सम्मान और आत्म-गौरव की अनुभूति से

घ. कायरता की अनुभूति से

प्र०2: पराधीन व्यक्ति कैसा जीवन बिताने के लिए विवश हो जाता है?

क. सम्मानित जीवन

ख. अपमानित जीवन

ग. सुखमय जीवन

घ. आरामदायक जीवन

प्र०3: कायर व्यक्ति स्वाधीन क्यों नहीं रह पाता?

क. क्योंकि वह संघर्ष से डरता है

ख. क्योंकि वह दासता को नियति मानता है

ग. क्योंकि वह मात्र भाग्य को कोसता ही रहता है

घ. उपरोक्त सभी

प्र०4: स्वाधीन रहने के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता क्या है?

क. संघर्ष करना

ख. कायर होना

ग. भाग्य पर निर्भर रहना

घ. पराधीन रहना

प्र०5: 'पराधीन' शब्द का सही अर्थ क्या है?

क. स्वयं के अधीन

ख. माता-पिता के अधीन

ग. अन्य व्यक्ति के अधीन

घ. देश के अधीन

सीखने का प्रतिफल:

- पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं|

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

अपने नहीं अभाव मिटा पाया जीवन भर,
पर औरों के सभी अभाव मिटा सकता हूँ|
तूफ़ानों-भूचालों की भयप्रद छाया में,
मैं ही एक अकेला हूँ जो गा सकता हूँ|
मुझको अपने पर अदम्य विश्वास रहा है,
मैं खंडहर को फिर से महल बना सकता हूँ|
जब-जब भी मैंने खंडहर आबाद किए हैं
प्रलय-मेघ भूचाल देख मुझको शरमाए|
मैं मज़दूर मुझे देवों की बस्ती से क्या
मैंने अगणित बार धरा पर स्वर्ग बनाए|

प्र०6: प्रस्तुत पद्यांश में किसका महत्त्व प्रतिपादित किया गया है?

क. किसान

ख. मेहनतकश

ग. मज़दूर

घ. देव

प्र०7: 'मैं ही अकेला हूँ जो गा सकता हैं" से क्या भावार्थ है?

क. केवल मज़दूर ही गा सकते है

ख. केवल मज़दूर ही कठिनाइयों में भी गा सकते हैं

ग. केवल मज़दूर ही कठिनाइयों में घबराते हैं

घ. केवल मज़दूर ही कठिन परिस्थितियों में खुश रह सकता हैं

प्र०8: 'अगणित बार धरा पर स्वर्ग बनाए' का क्या अर्थ है?

क. मज़दूरों ने धरती पर स्वर्ग बनाया हैं

ख. मज़दूरों ने धरती पर अनेक घर स्वर्ग की तरह सुन्दर व सुखमय बनाए है

ग. मज़दूरों ने धरती पर गिन कर घर बनाए है

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०9: मज़दूर किस बल पर खंडहर को भी महल बना सकता है?

क. शक्ति

ख. धन

ग. अदम्य आत्मविश्वास

घ. अदम्य साहस

प्र०10: कौन-सा शब्द 'धरा' का पर्याय नहीं है?

क. धरती

ख. वसुधा

ग. धारा

घ. भूमि

उत्तर-तालिका = 1 (ग), 2 (ख), 3 (घ), 4 (क), 5 (ग) 6 (ग), 7 (घ), 8 (ख), 9 (ग), 10 (ग)

पाठ - 20

विप्लव गायन

शिक्षण के लक्ष्य:

- स्वाधीनता संग्राम की लड़ाई में जुड़े लोगों में जोश और आत्मविश्वास भरती कविता पढ़ाई व समझाई जाएगी|
- पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित छह-सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पाँच-छह वाक्यों जो लगभग 40 से 45 शब्दों के हों, देने में समर्थ होंगे|
- ओजस्विता पूर्ण कविता वाचन के माध्यम से पूर्वज्ञान से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा|
- 5 से 6 कठिन नए शब्दों का शुद्ध उच्चारण सीखेंगे| जैसे - हिलोर, सावधान, चिंगरियां, महानाश, रुद्र आदि|
- समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे|
- पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम-से-कम दस वाक्य (50 से 60 शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे|
- पाठ के अंत में कवि के जीवन के बारे में छात्र लिखेंगे जिसके माध्यम से छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा|
- छात्र अपने विचार 40-50 शब्दों में प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे|
- एक अनुच्छेद- पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे|
- पाठ में आए विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|
- मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे|

- पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने में सक्षम होंगे| जैसे - हिलोरे, चिंतामणि, चिंगारियां आदि|
- निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - कवि की अन्य रचनाओं पर, लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से, प्रश्नोत्तरी इत्यादि|
- जीवन में हो रहे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार करने की प्रवृत्ति का विकास आदि नैतिक मूल्यों पर बल दिया जाएगा|

सीखने का प्रतिफल:

- विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे - अपनी गाँव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह-तरह के कार्य करने वालों की बातचीत|

निम्नलिखित विज्ञापन को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

खेलकूद और व्यायाम

खेलकूद और व्यायाम जीवन के आवश्यक अंग
खेलकूद मानव जीवन का महत्वपूर्ण कार्य, व्यायाम के बिना जीवन अस्तित्वविहीन।
खेलकूद मानव जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य है, व्यायाम बनाता उसको पूर्ण है।
संरक्षित-संपोषित-स्वच्छ शरीर, उल्लसित और सफल जीवन व्यायाम की पहचान है
ध्यान दें! यदि आप स्वस्थ सानंद रहते हुए डॉक्टर से भी दूर रहना चाहते हैं तो
जीवन में खेलकूद को आवश्यक अंग बनाएँ
व्यायाम को नित क्रिया में अपनाएँ!
इस संदर्भ में अगले माह की दसवीं तिथि को आपके मुहल्ले के पार्क में एक
व्यायाम मेला का आयोजन किया जाएगा।
खेलकूद और स्वास्थ्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा जनहित में प्रसारित।
संपर्क सूत्र-999999999

प्र०1: प्रस्तुत विज्ञापन के अनुसार किस मेले का आयोजन किया जा रहा है?

क. व्यापार मेले का
ख. व्यायाम मेले का
ग. खेल-कूद मेले का
घ. संगीत मेले का

प्र०2: '_____ के बिना जीवन अस्तित्वहीन होता है।" रिक्त स्थान में उचित शब्द भरिए?

क. खेलकूद

ख. डॉक्टर

ग. पार्क

घ. व्यायाम

प्र०3: जीवन में डॉक्टर से दूरी बनाए रखने के लिए क्या आवश्यक नहीं है?

क. व्यायाम

ख. खेलकूद

ग. तेलीययुक्त भोजन का सेवन

घ. स्वस्थ शरीर

प्र०4: 'उल्लास' शब्द का सही संधि-विच्छेद कौन-सा है?

क. उत्+लास

ख. उ+लास

ग. उल+लास

घ. इनमें से कोई नहीं

प्र०5: निम्नलिखित में से कौन-सा लक्षण व्यायाम की पहचान नहीं है?

क. संरक्षित शरीर

ख. अस्वस्थ शरीर

ग. संपोषित शरीर

घ. उल्लसित जीवन

उत्तर-तालिका = 1 (ख), 2 (घ), 3 (ग), 4 (क), 5 (ख)

Contributor

- **Dr. Savita Gahlawat (ARP, Hindi)**

  Education Department

  UT Chandigarh

Reviewer

- **Ms. Poonam Katoch (PGT)**

  SCERT UT Chandigarh

Co-ordinator

- **Dr. Deepika Gupta**

  Assistant Professor

  SCERT UT Chandigarh

"Live as if you were to die tomorrow. Learn as if you were to live forever"

- Mahatma Gandhi

2021

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
SECTOR-32 UT CHANDIGARH